इन्टरव्यू ४०

प्र: आपका नाम क्या है ?
ज: मेरा नाम रहीम है।

प्र: आपकी उम्र कितनी है ?
ज: मेरी उम्र 19 साल है।

प्र: कितने साल से बुनकारी में हैं ?
ज: 13 साल से।

प्र: आप अपने करघे पर बिन रहे हैं ?
ज: नहीं दूसरे का है, मजदूरी पर बिनते हैं।

प्र: कितनी मजदूरी मिलती है एक साड़ी की ?
ज: 500 रुपया।

प्र: एक साड़ी कितने दिन में बना लेते हैं ?
ज: 8-9 दिन में।
रूकावट
इसका कोई ठीक नहीं हैं ये पांच दिन में भी हो जाती है और 15 दिन में भी। ये मौसम जो चेन्ज हो गया उसके कारण भी देरी होती है।

प्र: एक महीने में कितनी साड़ी बुन लेते हैं ?
ज: वही चार साड़ी बिन लेते हैं।

प्र: एक महीने का कुल मजदूरी कितना हैं ?
ज: मिल जाता है दो हजार।

प्र: आपको और भाई भी मजदूरी पर बिनते हैं ?
ज: हां एक भाई बिनता है।

प्र: आपके घर में अपने करघे हैं कि नहीं ?

ज: नहीं।

प्र: एक भी नहीं हैं ?
ज: नहीं।

प्र: अब्बू के टाइम से ही नहीं है कि बिक गये ?
ज: बाद में बिक गए।

प्र: कब बिके ?
ज: वही उनके मरने के बाद।

प्र: कितने साल हुए ?
ज: वो तो हमारे बचपने में ही मर गए थे, हम दो साल के थे।

प्र: कितने भाई हैं आप लोग ?
ज: 4 भाई हैं।

प्र: सब यही काम करते हैं ?
ज: नहीं दो भाई इम्ब्राइडरी करते हैं।

प्र: पुश्तैनी यही काम होता रहा है ?
ज: हां।

प्र: वो दो इम्ब्राइडरी में कैसे चले गए ?
ज: उनका शौक था उनकी मर्जी।

प्र: बच्चपन से ही आप सीख रहे हैं ?
ज: हां पहले बार्डर काढ़ते थे, काढ़ते-काढ़ते बीनने लगे।

प्र: ये ढरकी वाला काम हैं ?
ज: हां।

प्र: इसको बिनने में तो कम समय लगता होगा ?
ज: हां, बार्डर में टाइम लगेगा।

प्र: यहीं मजदूरी करने आते है कि कहीं और भी जाते हैं ?
ज: नहीं यहीं आते है।

प्र: आपके घर में आपे अश्रित और कौन-कौन है, शादी हो गई है ?
ज: नहीं शादी नहीं हुई है।

प्र: तो आपके-आपके भाई के खर्च से सब निकल आता है ?
ज: हां।

प्र: इम्ब्राइडरी जो करते हैं उनको कितना मिलता है ?
ज: नौकरी से मिलती है।

प्र: नौकरी ?
ज: हां उसको नौकरी कहते हैं 8 घंटे का 80 रुपये मिलते हैं।

प्र: एक हफ्ते में उनको कितना मिलता है ?
ज: एक हफ्ते में चार पांच सौ मिल जाता है।

प्र: अभी आपका परिवार संयुक्त ही है ?
ज: हां।

प्र: आप अपना करघा लगाने का नहीं सोच रहे हैं ?
ज: नहीं उसमें पैसा लगता है एक कारखाना लगाऐंगे तो उसमें 10-20 हजार रुपया लग जाएगा।

प्र: एक करघा लगने का ?
ज: हां।

प्र: आपका घर अपना है ?
ज: नहीं किराये पर रहते हैं।

प्र: कितना किराया देते हैं ?
ज: 500 रुपया।

प्र: कहां पर है ?
ज: बजरडीहा में।

प्र: इतनी दूर आप आते हैं ?
ज: हां।

प्र: तानी-बाना कारखाने वाले देते हैं ?
ज: हां।

प्र: अभी ठण्ड पड़ी थी उससे आप काम कर रहे थे ?
ज: नहीं, एक महीना बैठे।

प्र: तो खर्चा कैसे चलता है ?
ज: भाई लोग है ना, और व्यापारी से एडवांस भी ले लिया जाता है।

प्र: उसका ब्याज नहीं लगता ?
ज: नही, वो फिर उसी में करता रहता है।

प्र: आप ऐसे ही करें अपना करघा नहीं लेंगे ?
ज: मालिक की जब मर्जी होगी तब ना। मजूरी कम होती है 300-350

प्र: पहले से अब क्या मजदूरी बढ़ी हैं ?
ज: बताए ना पहले हम पटोला साड़ी बनाते थे अब आर्डर की बना रहें हैं तो पहले 350 रुपये थी अब इसकी थोड़ा ज्यादा है। जैसी साड़ी होती है वैसी मजदूरी होती है।

प्र: तो बार्डर वाली साड़ी की मजदूरी तब से अब में बढ़ी हैं ?
ज: नहीं उतनी ही है। बढ़ी नहीं है।

प्र: हम जानना चाहते है कि जैसे नौकरी में तनख्वाह बढ़ती है आपकी आमदनी में बढ़ोत्तरी हुई है कि नहीं ?
ज: नहीं बढ़ोत्तरी नहीं हुई है।